

ईश्वर पर पूर्ण विश्वास हो उसे किसी की क्या परवा 4. एक खास प्रकार की घास।

परवाज स्त्री. (फा.) 1. उड़ान 2. घमंड, गुमान, नाज वि. उड़ने वाला वि. घमंडी।

परवाजी स्त्री. (फा.) उड़ान।

परवाणि पुं. (तत्.) 1. धर्माध्यक्ष 2. वत्सर, वर्ष 3. कार्तिकेय का वाहन, मयूर 4. दे. प्रमाण।

परवाद पुं. (तत्.) 1. विरोधात्मक उत्तर 2. परनिंदा 3. प्रवाद, अफवाह।

परवादी पुं. (तत्.) वह जो परवाद न करे।

परवान पुं. (तद्.) 1. प्रमाण, सबूत 2. यथार्थ बात, सत्य कथन, ठीक 3. सीमा, अवधि 4. प्रामाणिक, विश्वसनीय (फा.) 1. उड़ान 2. जहाजों के ठहरने की जगह, बन्दरगाह मुहा. परवान चढ़ना- अत्यधिक उन्नति करना, परम सुखी होना, पूर्णता तक पहुँचना, सफल होना।

परवानगी स्त्री. (फा.) आज्ञा, अनुमति, इजाजत।

परवानना अ.क्रि. (तद्.) प्रमाण मानना, ठीक समझना।

परवाना पुं. (फा.) 1. आज्ञा पत्र, लिखित आज्ञा, हुक्मनामा 2. पतंगा, पंखी 3. आसक्त, आशिक, किसी पर अत्यंत मुग्ध 4. लोमड़ी के आकार का एक वन्य पशु जो शेर के आगे-आगे चलता है।

परवाया पुं. (देश.) चारपाई के पायों के नीचे रखने की वस्तु।

परवार पुं. (तद्.) दे. परिवार।

परवास पुं. (तद्.) 1. दे. प्रवास 2. आच्छादन।

परवाह स्त्री. (फा.) 1. चिंता, आशंका, व्यग्रता 2. ध्यान, ख्याल 3. आसरा, भरोसा पुं. (तद्.) प्रवाह, बहने का भाव मुहा. परवाह करना- गंगा जी में अस्थियाँ परवाह करना, बहाना।

परवाहना स.क्रि. (तद्.) प्रवाह करना, बहाना।

परवत पुं. (तत्.) धृतराष्ट्र।

परश पुं. (तत्.) 1. स्पर्शमणि, पारस पत्थर 2. स्पर्श, छूना।

परशु पुं. (तत्.) कुल्हाड़ी या फरसा नुमा एक अस्त्र, जो कि प्राचीन युग में युद्ध में प्रयुक्त होता था।

परशुधर वि. (तत्.) 1. परशु को धारण करने वाला पुं. परशुराम 2. गणेश, गणपति।

परशुपलाश पुं. (तत्.) 1. फरसे का फल या अगला हिस्सा, परशु की धार।

परशुमुद्रा स्त्री. (तत्.) उँगलियों की एक मुद्रा, जो कि तंत्र में बनाई जाती है।

परशुराम पुं. (तत्.) 1. जमदग्नि ऋषि के पुत्र, क्षत्रियों का 21 बार नाश करने वाले, ईश्वर के छठे अवतार।

परश्वध पुं. (तत्.) परशु, कुठार, कुल्हाड़ी।

परसंज्ञक पुं. (तत्.) आत्मा।

परस पुं. (तद्.) 1. फरसा, परशु 2. स्पर्श, छूने की क्रिया या भाव 3. पारस पत्थर, स्पर्श मणि।

परसन पुं. (तद्.) 1. छूना, छूने का भाव 2. वि. प्रसन्न, खुश, आनंदित।

परसना स.क्रि. (तद्.) 1. छूना, स्पर्श करना 2. खुलना 3. भोज्य पदार्थ परोसना, सामने रखना यथा खाना परसना।

परसपीपल पुं. (तद्.) भिंडी की जाति का एक पेड़।

परसराम पुं. (तद्.) दे. परशुराम।

परसर्ग पुं. (तत्.) 1. शब्द के आगे जुड़ने वाला प्रत्यय 2. भाषा विज्ञान में ने, को, के, से, में आदि संज्ञा-विभक्तियाँ।

परसा पुं. (तद्.) 1. फरसा, परशु, कुल्हाड़ा, कुठार 2. एक मनुष्य के पेट भर खाने का भोजन, एक पत्तल।

परसाना स.क्रि. (तद्.) 1. स्पर्श कराना, छुआना 2. भोजन आदि बाँटवाना।

परसाल अव्य. (तत्.+फा.साल) 1. गत वर्ष, पिछले साल 2. आगामी वर्ष, अगले वर्ष स्त्री. एक प्रकार की घास जो पानी में पैदा होती है।